हिंदी में सुशील शुक्ल को बाल साहित्य व पार्वती तिर्की को युवा पुरस्कार

24 बाल साहित्यकारों और 23 युवा लेखकों को साहित्य अकादमी पुरस्कार, डोगरी युवा पुरस्कार की घोषणा होनी बाकी

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी ने बुधवार को युवा और बाल साहित्य पुरस्कार 2025 की घोषणा की। हिंदी के लिए सुशील शुक्ल को बाल साहित्य पुस्कार और पार्वती तिर्की को युवा पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। शुल्क को उनकी कहानी एक बटे बारह के लिए और तिर्की को फिर उगना कविता संग्रह के लिए पुरस्कार देने का फैसला किया गया है।

अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक की अगुवाई में बुधवार को हुई बैठक में 23 युवा लेखकों और 24 बाल साहित्यकारों की किताबों को पुरस्कार के लिए चुना गया। ये चयन तीन सदस्यों वाले निर्णायक मंडल ने सटीक प्रक्रिया के तहत किया। डोगरी भाषा का युवा पुरस्कार बाद में घोषित होगा। इन दोनों पुरस्कारों के तहत विजेताओं को उत्कीर्ण ताम्रफलक और 50,000 रुपये की राशि दी जाएगी, जो एक विशेष समारोह में प्रदान की जाएगी। अंग्रेजी भाषा के लिए नितिन कुशलप्पा एमपी को उनकी कहानी दक्षिणः साउथ इंडियन मिथ्स एंड फैब्लस रीटोल्ड, उर्दू में गजनफर इकबाल को कौमी सितारे (लेख) व मैथिली में मुन्नी कामत को चुक्का (कहानी) के लिए बाल साहित्य पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

वहीं, अंग्रेजी भाषा के लिए अद्वैत कोट्टरी को उनके उपन्यास सिद्धार्थः द ब्वॉय हू बिकम द बुद्धा के लिए, संस्कृत में धीरज कुमार पाण्डेय को 'पारिभाषिक शब्दस्वारस्यम्' (वेदान्तपरिभाषासन्दर्भे) (आलोचना) के लिए और उर्दू में नेहा रुबाब को उनके उपन्यास मजहरुल हकः तारीक-ए-आजादी-ए-हिंदः हिंद का फरामोश कर्दा कायद के लिए युवा पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा।

अन्य भाषाओं में इन रचनाकारों ने बाजी मारी

असमिया में सुप्रकाश भुइयां की कूंचियानामा और सुरेंद्र मोहन दास की मैनाहंतर पद्य, बांग्ला में सुदेशना मोइत्रा की एकरोखा चिरुनी तोलाशी और त्रिदिब कुमार चट्टोपाध्याय की ऐखोनो गाये कांटा देय, बोडो में अमर खुंगुर बर की आं असुर और बिनय कुमार ब्रह्म की खान्थि बोसोन, गुजराती में मयूर खावडू की नरसिंह टेकरी और कीर्तिदा ब्रह्मभट्ट की टिंचक ने बाजी मारी। इसी तरह कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओड़िआ, राजस्थानी, संस्कृत, संताली, सिंधी, तमिल और तेलुगु में भी कई रचनाकारों को सम्मान मिला है।

बच्चों के लिए समृद्ध और गहरे साहित्य की जरूरतः सुशील शुक्ल

अपनी कृति एक बटे बारह को बाल साहित्य पुरस्कार मिलने पर खुशी जताते हुए सुशील शुक्ल ने कहा कि आज के समय में बच्चों को बचकाने नहीं समृद्ध और गहरे साहित्य की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें प्रयास करना चाहिए कि बच्चों का साहित्य, कहानी, कविताएं केवल बच्चों की होकर न रह जाएं। उसका विषय ऐसा हो कि हर उम्र का व्यक्ति उनसे संवाद स्थापित कर सकें।